श्रद्धा का संगम, आस्था की डुबकी

खास बातें

- सर्दी पर भारी पड़ी आस्था
- मकर संक्रांति पर हजारों श्रद्धालुओं ने किये स्नान
- संक्रांति मेले में उमड़ा जनसैलाब

नवभारत न्यूज

विदिशा/सिरोंज 15 जनवरी, मकर संक्रांति पर्व पर वेत्रवती तट पर लोगों स्नान किये. मकर संक्रांति पूर्व जिले में धूमधाम से मना. इसके साथ देवपुर में हजारों की तादाद में श्रद्धालुओं ने गुरुवार को बाबा विश्वनाथ जी मंदिर परिसर में स्थित पवित्र कुंडों में आस्था की डुबकी लगाई. देवपुर में सुबह से श्रद्धालुओं की कतार लगी रही. नगर एवं आसपास के अंचलों से बड़ी तादाद में श्रद्धालुओं ने देवपुर पहुंचकर बाबा विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थित पवित्र कुंड के जल से स्नान कर दान, पुण्य किये. इस दौरान उन्होंने बाबा विश्वनाथ जी की पूजा, अर्चना की. देवपुर में संक्रांति मेले में भी लोगों की भीड़ लगी रही.

क्षेत्र में मकर संक्रांति का पावन पर्व पर चारों ओर भक्ति के रंग दिखाई दिये. सिरोंज-आरोन मार्ग पर स्थित पवित्र तीर्थक्षेत्र बाबा विश्वनाथ धाम देवपुर में संक्रांति के पर्व पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा. संक्रांति पर्व पर बाबा विश्वनाथ मंदिर में सुबह से लेकर दिनभर शहर के साथ ही ग्रामीण अंचलों के श्रद्धालुओं की कतार लगी रही. मकर संक्रांति पर्व बुधवार एवं गुरुवार को मनाए जाने से देवपुर में भक्तों के आने का क्रम बुधवार से ही शुरु हो गया था. जो गुरुवार को दिनभर जारी रहा. इस दौरान बुधवार एवं गुरुवार को हजारों श्रद्धालु देवपुर पहुंचे. कई भक्त पैदल मंडलियों में हाथों में ध्वज पताका लेकर, भजन, कीर्तन करते हुए एवं बाबा विश्वनाथ जी के जयकारे लगाते हुए देवपुर पहुँचे. तो कई श्रद्धालु पिंड भरते हुए देवपुर पहुंचे. क्षेत्रों की विभिन्न भजन मंडलियों ने भी विश्वनाथ धाम देवपुर पहुँचकर भजनों की प्रस्तुतियां दी. इस दौरान यहां आयोजित संक्रांति मेले में भी काफी भीड़ दिखाई दी.

पवित्र कुंडों में आस्था की डुबकी

मकर संक्रांति पर्व पर नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से हजारों की तादाद में श्रद्धालुओं ने सुबह से ही देवपुर पहुंचकर सक्रांति पर्व पर पवित्र कुंड के जल से स्नान कर दान पुण्य किये. समिति द्वारा संक्रांति पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पवित्र कुंड में महिलाओं एवं पुरुषों के स्नान के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई थी. साथ ही बाबा विश्वनाथ जी के दर्शनों के लिए भी महिला पुरुषों की अलग-अलग कतारें लगाई गई थी. वही वाहनों के पार्किंग की भी व्यवस्था की गई थी. इस दौरान क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा विश्वनाथ जी के दर्शन कर पूजा, अर्चना की. भक्तों ने मंदिर परिसर में स्थित भगवान लक्ष्मीनारायण मंदिर, श्रीराधाकृष्ण मंदिर, श्री लवकुश मंदिर, श्रीरामजानकी मंदिर में भी पूजा अर्चना की.

देवपुर में हजारों श्रद्धालुओं ने किये स्नान

देवपुर में संक्रांति मेले की रही धूम

मकर संक्रांति पर प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी देवपुर में संक्रांति मेले का आयोजन किया गया. जिसमें विभिन्न प्रकार के खाद्य सामग्रियों, दैनिक उपयोग की वस्तुओं सहित मनोरंजन के सामानों की दुकानें लगाई गई. लोगों ने मेले में लगी दुकानों पर पहुंचकर दैनिक उपयोग के सामान सहित अन्य वस्तुओं की जमकर खरीददारी की. इस दौरान मेले में लोगों की भारी भीड़ लगी रही. वही महिलाऐं भी दुकानों पर दैनिक उपयोग की सामग्री की खरीददारी करती दिखाई दी. लोगों ने मेले का जमकर आनंद लिया. संक्रांति पर्व पर तीर्थक्षेत्र देवपुर में पहुँचने के लिए दिनभर सिरोंज देवपुर मार्ग पर वाहन की कतार लगी रही. इस दौरान कई श्रद्धालु वाहनों से तो कई पैदल देवपुर पहुँचे.

रिहायशी इलाके में तेंदुए की आहट से दहशत

गैयननाथ पहाड़ पर दिखी मौजूदगी

नवभारत न्यूज

पठारी 15 जनवरी, नगर के रिहायशी इलाके से सटे गैयननाथ पहाड़ पर तेंदुए की आहट से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है.नारायण साहू ने बताया कि पहाड़ पर स्थित शिवलिंग के दर्शन के लिए 4 लोग मंदिर की ओर जा रहे थे, इसी दौरान तेंदुए की दहाड़ने की आवाज सुनाई दी.आवाज सुनते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई. गैयननाथ पहाड़ के चारों ओर घनी आबादी बसी हुई है, जिससे किसी भी अप्रिय घटना की आशंका बनी हुई है.स्थानीय नागरिकों का कहना है कि तेंदुए की मौजूदगी से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों में दहशत है. वन विभाग द्वारा पतरुआ मैदान पर तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया है, हालांकि अब तक पिंजरे में दो बार वन बिलाव फंस चुका है, जबकि तेंदुआ पकड़ में नहीं आया है.इससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है. लोगों ने वन विभाग से जल्द से जल्द तेंदुए को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजने की मांग की है.

विदिशा में 10 दिवसीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन

नवभारत न्यूज

विदिशा, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, की सीएचसीडीएस (क्लस्टर डेवलपमेंट स्कीम) योजना के अंतर्गत विदिशा जिले में आगामी फरवरी माह की 10 से 19 तारीख तक दस दिवसीय हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विभिन्न क्लस्टरों से जुड़े हस्तशिल्पकारों को अपने उत्पादों के विपणन का सशक्त मंच प्रदान करना, स्थानीय एवं पारंपरिक हस्तशिल्प को प्रोत्साहित करना तथा आमजन को भारत की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा से परिचित कराना है.

इलाज हेतु 57 लाख 80 हजार राशि मंजूर अस्पतालों को जारी

नवभारत न्यूज

विदिशा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्वेच्छानुदान मद अंतर्गत गंभीर एवं असाध्य रोगों से पीड़ित जरूरतमंद मरीजों को आर्थिक संबल प्रदान करते हुए जिले के कुल 139 मरीजों के उपचार हेतु 57 लाख 80 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है. इस सहायता राशि से हृदय रोग, किडनी, कैंसर, न्यूरोलॉजिकल, दुर्घटना जनित चोटों सहित अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों का उपचार संभव हो सकेगा. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराना है.

बिजली विजिलेंस की कार्रवाई, 9 उपभोक्ताओं पर दर्ज हुए प्रकरण

नवभारत न्यूज

पठारी,विद्युत वितरण कंपनी की विजिलेंस टीम ने अनियमितताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए 9 उपभोक्ताओं पर प्रकरण दर्ज किए हैं. यह कार्रवाई बस स्टैंड, मुख्य बाजार एवं तालाब रोड क्षेत्र में की गई.

उप महाप्रबंधक सतर्कता गोपाल सिंह नावरे के नेतृत्व में विजिलेंस टीम द्वारा निरीक्षण किया गया.जांच के दौरान अवैध रूप से बिजली उपयोग, मीटर से छेड़छाड़ एवं अन्य अनियमितताएं सामने आई, जिस पर संबंधित उपभोक्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई.विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिजली चोरी एवं अनियमितताओं को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.आगे भी ऐसे निरीक्षण अभियान लगातार जारी रहेंगे. साथ ही उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे नियमों का पालन करते हुए वैध रूप से बिजली का उपयोग करें.

सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति की सदस्यता जनवरी माह के अंत में

नवभारत न्यूज

विदिशा, सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति की सदस्यता आगामी 24, 25 एवं 26 जनवरी को खोली जा रही है. समिति के अध्यक्ष नितिन माहेश्वरी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सदस्यता चुनाव प्रक्रिया से पूर्व खोली जा रही है.उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान इस बार सदस्यता नहीं खोली जाएगी.अत: जो भी व्यक्ति सनातन श्री हिंदू उत्सव समिति का सदस्य बनना चाहते हैं, वे निर्धारित तिथियों में अपना आवेदन फॉर्म समिति कार्यालय रायपुरा में जमा कर सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं.

विधायक ने गरीबों को बांटे कपड़ा और कीर्तन सामग्री

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, मकर संक्रांति के अवसर पर विधायक हरि सिंह रघुवंशी ने ग्रामीण क्षेत्रों में पड़ रही सर्दी के मद्देनजर गरीबों को एवं उनके बच्चों को ऊनी कपड़े भेंट कर महिलाओं को कीर्तन सामग्री भी प्रदान की. सरपंच श्रीमति अनीता रघुवंशी ने बताया कि विधायक श्री रघुवंशी ने उनकी ग्राम पंचायत के ग्राम छीपनी खुर्सेनी आकाडोड़ा में जाकर निर्धनों को कंबल,बच्चों को ऊनी टोपा एवं खेल सामग्री भेंट की.

उन्होंने महिलाओं को ढोलक मंजीरा सहित कीर्तन सामग्री भी भी प्रदान की. इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता शिव शरण रघुवंशी शेबू एवं अनाज तिलहन व्यापारी संघ के कोषाध्यक्ष सुखजीत सिंह बुमराह काके भी उपस्थित थे.

निःशुल्क ब्लड ग्रुप चेक आज दुर्गा नगर में

आपके जीवन को सुरक्षित रखने का उद्धेश्य लेकर विश्व रिकॉर्ड बनाने देहदानी विकास पचौरी विदिशा के घर-घर जाकर सभी का निःशुल्क ब्लड ग्रुप चेक करवा रहे हैं। आपके घर के पास सेवा वाहन आने पर कृपया सभी उम्र के बच्चे, भाई-बहन एवं बुजुर्ग अपने ब्लड ग्रुप की जाँच कराकर परिचय कार्ड बनवाकर अपने भारत देश का नाम विश्व में रौशन करने में योगदान दें।

एनएनएस स्वयंसेवक बेटे ने माता-पिता को राष्ट्रपति भवन दिखा दिया-डॉ . जगा

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा,जिनकी आंखें नहीं उसका जीवन शून्य है.इसलिए पहला सेवाकर्म दृष्टि के लिए किया जाए. कुछ कमियां बताने से ही दूर होती है.इसलिए कमियों न घबराएं.कैम्प में गतिविधियां छूटना नहीं चाहिए.कैम्प प्रोजेक्ट ही अन्य कैम्पों की ओर अवसर मिलता है.उन्होंने बताया कि एक ग्रामीण और गरीब माता पिता का कथन था कि जीवन में कल्पना से परे हमें देश के राष्ट्रपति भवन को देखने का सौभाग्य एनएसएस स्वयंसेवक हमारे बेटे के कारण ही नसीब हो सका है.

यह बात एलबीएस कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के बौद्धिक सत्र में योजना के जिला संगठक डॉ. पीके जगा ने स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित करते हुए समझाई. इस अवसर पर समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले ने स्वयं सेवकों को बताया कि 11 सितम्बर को विवेकानंद जी का शिकागो में भाषण प्रेरणा देता है.आज युवा वर्ग नशे की लत में घिरता जा रहा है। सिगरेट तम्बाखू की लत से लाखों लोग केंसर से मर जाते है. विधि विभाग के प्राध्यापक आरआर द्विवेदी ने कहा कि कमियां होती है, सुधार करते हुए करते चलें.उन्हें कार्य न करने से अच्छा, कार्य करें.एनएनएस की परिकल्पना मूल उद्देश्य सेवा के माध्यम, महात्मा गांधी 18 रचनात्मक कार्य, ग्राम विकास, नशा कैम्प में सीखा जीवन में उतरना चाहिए.शिविर के दौरान सरस्वती पूजन, नृत्य, नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटिका व नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई. इस अवसर पर जैन महिला संगठन की अध्यक्ष अलका ओसवाल, बासौदा शिक्षा समिति की पदाधिकारी स्वाति ओसवाल, कालेज से कमलेश विश्वकर्मा, खेल अधिकारी मनीष अहिरवार, कार्यक्रम अधिकारी बालिका इकाई नम्रता अरोरा, कार्यक्रम अधिकारी बालिक इकाई डॉ. मनोज सक्सैना, सहायक ऐवन सिंह विश्वकर्मा मौजूद रहे.

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी का दौरा कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

विदिशा, केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी शनिवार 17 जनवरी को विदिशा जिले में आयोजित कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे. शनिवार की दोपहर 12.05 बजे भोपाल एयरपोर्ट से हेलीकॉप्टर द्वारा विदिशा के लिए प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे विदिशा के खेल स्टेडियम हेलीपैड पर आगमन इसके पश्चात् रोड शो कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे. केन्द्रीय मंत्री गड़करी रोड़ शो के उपरांत पुरानी कृषि उपज मंडी विदिशा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे. तदानुसार 1.50 बजे फोटो प्रदर्शनी का निरीक्षण, दोपहर दो बजे राष्ट्र को समर्पित निर्माण कार्यो के लोकार्पण और आधारशिला कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे.

रामकिशोर बने सारथी विश्वकर्मा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नवभारत न्यूज

विदिशा, रामकिशोर विश्वकर्मा को सारथी विश्वकर्मा समाज कल्याण सेवा संगठन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर विदिशा में नगर पालिका अध्यक्ष राकेश शर्मा और बीजेपी नेता कृष्ण कुमार गुप्ता, अरविंद श्रीवास्तव,अनिल सोनकर, श्रवण व्यास,नितिन माहेश्वरी, प्रशांत खत्री, आशीष मोहता,भरत नारायण रागी,गौरव महेश्वरी,राहुल गुप्ता आदि बीजेपी नेताओ ने बधाई दी.

लापरवाही — लाखों-करोड़ों खर्च के दावों के बीच सूखते पेड़, घटते पर्यटक और सवालों में घिरा सौंदर्य विकास

विकास की आड़ में दम तोड़ती सांची की हरियाली

नवभारत न्यूज

सांची,विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक पर्यटन स्थल सांची को सुंदर और विकसित बनाने के नाम पर अनुमानित तौर पर लाखोंङ्करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन इसी तथाकथित विकास की सबसे बड़ी कीमत यहां की हरियाली को चुकानी पड़ रही है.कभी चारों ओर हरियाली से आच्छादित रहने वाला यह क्षेत्र आज पेड़ों की अनदेखी और संरक्षण के अभाव में सूखने की कगार पर पहुंच गया है.

स्थानीय नागरिकों के अनुसार सांची एक समय केवल अपनी ऐतिहासिक विरासत के लिए ही नहीं, बल्कि शुद्ध ऑक्सीजन देने वाले घने, छायादार और फलदार वृक्षों के लिए भी जानी जाती थी.यही हरियाली देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती थी, जिसके चलते पर्यटक कई दिनों तक यहां ठहरकर इस स्थल की ऐतिहासिकता और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते थे.समय के साथ सांची को और अधिक आकर्षक बनाने की कवायद तेज हुई.सरकारों ने इसे पर्यटन के लिहाज से विकसित करने के उद्देश्य से भारी भरकम राशि स्वीकृत की, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद न तो अपेक्षित सौंदर्य विकास दिखाई दिया और न ही हरियाली का संरक्षण किया जा सका.एक समय लगभग 11 एकड़ में फैला शासकीय उद्यान सदैव हराभरा रहता था. यहां मौजूद फलदार और छायादार वृक्ष न केवल शुद्ध ऑक्सीजन देते थे, बल्कि छाया और फल के कारण नगरवासियों व पर्यटकों को बड़ी राहत मिलती थी.नगर की सड़कों के किनारे लगे बड़े-बड़े पेड़ भी लोगों को धूप से बचाते थे, लेकिन विकास और सुंदरता के नाम पर जहां एक ओर बड़ी राशि खर्च हुई, वहीं दूसरी ओर इन हरे-भरे पेड़ों का भी सफाया कर दिया गया.राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान सड़क किनारे लगे छोटे-बड़े पेड़ों को भी काटा गया. लोगों के विरोध के बाद निर्माण एजेंसी द्वारा पुन: पौधारोपण का आश्वासन दिया गया, लेकिन वह भी धरातल पर प्रभावी साबित नहीं हुआ. शासकीय उद्यान का लगभग आधा हिस्सा पर्यटन विभाग को सौंपा गया, जहां पहले फलदार और छायादार वृक्ष मौजूद थे, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही और नियमित देखरेख के अभाव में कई पेड़ नष्ट हो गए और जो शेष बचे हैं, वे भी धीरे-धीरे सूखते जा रहे हैं.

नगर में चर्चा है कि सांची को सुंदर बनाने के नाम पर किए गए अधिकांश प्रयास केवल कागजों और फाइलों तक सीमित रह गए हैं.पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि पर्यटकों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो सकी, बल्कि गिरावट देखने को मिल रही है.स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो यह स्थल विभागीय कमाई का जरिया बनकर रह जाएगा.हालांकि विभागीय स्तर पर समय-समय पर पौधारोपण और संरक्षण के दावे किए जाते हैं, लेकिन उनका असर जमीन पर नजर नहीं आता.ऐसे में यह आशंका गहराने लगी है कि विकास की इसी तर्ज पर कहीं सांची अपनी ऐतिहासिक पहचान के साथ-साथ प्राकृतिक विरासत भी न खो बैठे.यदि विकास के नाम पर हरियाली यूं ही मिटती रही, तो सांची की पहचान इतिहास के साथ-साथ प्रकृति से भी कटती चली जाएगी.

कथा प्रवक्ता की भव्य अगुआई

नवभारत न्यूज

पठारी,श्रीमद् भागवत कथा महापुराण सप्ताह ज्ञान गंगा महायज्ञ एवं श्री राम महायज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है।जिसके कथा प्रवक्ता की भव्य अगुवाई की गई.आज निकलेगी ऐतिहासिक भव्य कलश यात्रा.16 जनवरी से 23 जनवरी तक आयोजित होने वाले श्रीमद् भागवत कथा महा पुराण सप्ताह ज्ञान गंगा महायज्ञ, पंच कुंडीय श्री राम महायज्ञ एवं वैदिक निशुल्क सामूहिक विवाह आयोजन किया जा रहा है.

कथा के प्रवक्ता बालकृष्ण दास जी महाराज श्री वृंदावन धाम की भव्य अगुवाई की गई. जिसमें श्रद्धालुओं ने ग्राम जाजपोन के आनंद कूप धाम से कथा स्थल तक पुष्प वर्षा और ढोल नगाड़ों के साथ की गई.जिसमें दर्जनों दो पहिया वाहन शामिल थे.

आज निकलेगी भव्य कलश यात्रा

जसवंत सिंह यादव ने बताया कि आज श्रीमद् भागवत कथा और महा यज्ञ की भव्य मंगल कलश यात्रा निकाली जाएगी.जो सुबह 11 बजे से श्री बड़ी माता मंदिर से प्रारंभ होकर श्री राम जानकी साहू समाज मंदिर, श्री हरछठ माता मंदिर, संजय नगर, श्री करेली धाम, तालाब रोड, मुख्य बाजार, श्री राम जानकी राज मंदिर, बस स्टैंड, श्री राधा कृष्ण पोद्दार मंदिर होते हुए कथा स्थल पर पहुंचेगी. जिसमें अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है.पवित्र पावन मंगल कथा दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक एवं महायज्ञ शुभ है 8 बजे से प्रारंभ होगा.इस दौरान प्रखर विचारक एवं समीक्षक अभिलाष ठाकुर, कमलेश यादव, राजेश व्यास, जसवंत सिंह यादव, होशियार सिंह यादव, मनोज नामदेव, राज किशोर ठाकुर, अजय ठाकुर, भानु व्यास, रमेश साहू बीना, नरेंद्र शास्त्री, जितेंद्र साहू, नीतेश लोधी, अंकित साहू, मुन्ना लाल सोनी आदि शामिल थे.